

अध्याय 05

पद भेद (व्याकरणिक कोटि) की पहचान

पद

जब कोई सार्थक शब्द वाक्य में प्रयोग किया जाता है, तो उसे पद कहते हैं।

दूसरे शब्दों में, “व्याकरण के नियमों के अनुसार विभक्ति, वचन, लिंग, काल आदि की योग्यता रखने वाला वर्णों का समूह ‘पद’ कहलाता है।

जैसे—राजा वन में गया।

उपर्युक्त वाक्य ‘राजा’, ‘वन’, ‘में’ और ‘गया’ चार पदों से बना है।

पद के भेद

पद के पाँच भेद होते हैं

1. संज्ञा

संज्ञा वह विकारी शब्द है, जिससे वस्तु, व्यक्ति, भाव तथा प्राणियों के नाम का बोध होता है। वस्तु से किसी पदार्थ का भाव ही नहीं, उनके धर्म (स्वभाव) को सूचित करने वाले शब्द भी ‘संज्ञा’ होते हैं।

संज्ञा के पाँच भेद हैं

- (i) **जातिवाचक संज्ञा** जिन शब्दों से एक ही प्रकार की वस्तुओं अथवा व्यक्तियों का बोध हो, उन्हें ‘जातिवाचक संज्ञा’ कहा जाता है; जैसे—नदी, आदमी, पेड़, नगर इत्यादि। सम्बन्धियों, व्यवसायों, पदों, पशु-पक्षियों तथा प्राकृतिक तत्त्वों के नाम जातिवाचक संज्ञा के रूप में आते हैं।

प्रस्तुत अध्याय पद के विभिन्न भेदों; जैसे—पद संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, अव्यय आदि पर आधारित है।

- (ii) **व्यक्तिवाचक संज्ञा** जिस शब्द से किसी खास व्यक्ति या वस्तु का बोध हो, उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे—राम, गंगा, ब्रिटेन इत्यादि।
व्यक्तियों, नदियों, देशों, नगरों, समुद्रों, पहाड़ों, त्योहार तथा दिनों के नाम 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' होते हैं।
- (iii) **भाववाचक संज्ञा** जिन शब्दों के द्वारा व्यक्ति अथवा वस्तु की स्वाभाविक क्रिया-व्यापार तथा भावदशा सामने आती है, वह 'भाववाचक संज्ञा' है; जैसे— भलाई, दयालु, मिठास इत्यादि।
भाववाचक संज्ञा का निर्माण जातिवाचक संज्ञा के अतिरिक्त सर्वनाम, क्रिया, विशेषण तथा अव्यय में प्रत्यय लगाकर बनाया जाता है; जैसे लड़का (जातिवाचक संज्ञा)—लड़कपन (भाववाचक संज्ञा)
अपना (सर्वनाम)—अपनापन (भाववाचक संज्ञा)
- (iv) **समूहवाचक संज्ञा** जिन शब्दों से व्यक्ति या वस्तुओं की अधिक संख्या का भाव प्रकट होता है, उन्हें 'समूहवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे— मेला, दल, सभा, गुच्छा, कुंज इत्यादि।
- (v) **द्रव्यवाचक संज्ञा** जिन शब्दों से तरल वस्तु या नाप-तौल की वस्तुओं का बोध होता है, उन्हें 'द्रव्यवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे—सोना, लोहा, दूध इत्यादि।
संज्ञा विकारी शब्द होते हैं। विकार शब्दों के रूप तथा प्रयोग को परिवर्तित करता है। संज्ञा के रूप में परिवर्तन लिंग, वचन तथा कारक चिह्नों के कारण होता है।

2. सर्वनाम

संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द, सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे—मैं, हम, उसका, तुम्हारा, वह, यह, कोई, कौन आदि।

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम छः प्रकार के होते हैं

(i) पुरुषवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम बोलने वाले, सुनने वाले या जिसकी बात की जाए उसके विषय में ज्ञान कराते हैं, पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

इसके तीन भेद होते हैं

- (a) **उत्तम पुरुष** बोलने वाला उत्तम पुरुष कहलाता है; जैसे— मैं, हम, मेरा आदि।

उदाहरण

- मैं उससे बात करूँगा।
- यह काम मेरा नहीं है।
- हम अब आजाद हैं।

- (b) **मध्यम पुरुष** जिससे बात की जाती है, वह मध्यम पुरुष कहलाता है; जैसे— तू, तुम, तेरा आदि।

उदाहरण

- तुझे राम की बात माननी होगी।
- तुम आज लखनऊ जाओ।
- तेरा काम पढ़ना है।

- (c) **अन्य पुरुष** जिसके बारे में बात की जाती है, वह अन्य पुरुष होता है; जैसे— वह, वे, उनका, उसके, उसकी आदि।

उदाहरण

- वह इस काम को कर लेगा।
- मुझे उनके पास जाना होगा।
- उसकी किताब मेरे पास है।

(ii) निश्चयवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम, जिनसे किसी निश्चित वस्तु का ज्ञान होता है, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे— यह, वह आदि। इसे संकेतवाचक सर्वनाम भी कहते हैं।

उदाहरण एक बार फिर वह जीत गया।

(iii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम, जिनसे किसी वस्तु का निश्चित ज्ञान न हो, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे— कोई, कुछ, सब आदि।

उदाहरण सड़क पर कोई गिर गया।

(iv) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम, जो एक शब्द का दूसरे के साथ सम्बन्ध जोड़ते हैं, उसे सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—जिसकी लाठी उसकी भैंस, जो करेगा सो भरेगा आदि में रेखांकित शब्द सम्बन्धवाचक सर्वनाम हैं।

(v) प्रश्नवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम, जो प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग होते हैं, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे— कौन, कैसे, क्या आदि।

उदाहरण तुम कौन हो?

(vi) निजवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम, जहाँ वक्ता अपने लिए 'आप' शब्द का प्रयोग करता है, वहाँ निजवाचक सर्वनाम होता है; जैसे— आप भला तो जग भला।

3. क्रिया

जिन शब्दों से किसी कार्य का करना या होना पाया जाता है, उन्हें **क्रिया** कहते हैं; जैसे—अनिल स्कूल जा रहा है।

मोहन ने खाना खाया।

इन वाक्यों में **जा रहा है**, **खाया** से कार्य के होने का पता चलता है। अतः ये (जाना, खाना) क्रियाएँ हैं। कार्य को करने वाला 'कर्ता' कहलाता है।

धातु धातु क्रिया के मूल रूप को कहते हैं। इन्हीं धातुओं से भिन्न-भिन्न क्रियाओं का निर्माण होता है; जैसे—पी, खा, जा, आ, पढ़, चल इत्यादि।

क्रिया के प्रकार

कर्म के आधार पर क्रिया के दो प्रकार होते हैं

(i) सकर्मक क्रिया

जिन वाक्यों में क्रियाएँ अपने कर्म के साथ होती हैं, उन्हें सकर्मक क्रियाएँ कहते हैं; जैसे—कृष्ण कुत्ते को रोटी खिलाता है।

इसमें क्रिया 'खिलाना' का प्रभाव कुत्ते पर पड़ता है अर्थात् कुत्ते को खिलाना क्रिया का कर्म है। अतः यह एक सकर्मक क्रिया है।

(ii) अकर्मक क्रिया

जो क्रियाएँ बिना कर्म के वाक्यों में आती हैं, अकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं; जैसे—सविता हँसती है।

इसमें 'हँसना' क्रिया का किसी पर प्रभाव नहीं पड़ता, इसलिए यह अकर्मक क्रिया है।

संरचना की दृष्टि से क्रिया के पाँच भेद होते हैं

(i) सामान्य क्रिया

यह क्रिया का सामान्य रूप होता है। सामान्यतया इसका ही अधिक उपयोग किया जाता है।

उदाहरण ने पतंग उड़ाई।

- चित्रकार ने चित्र बनाया।
- हमने कमरे की सफाई की।
- रचना ने नया सूट खरीदा।

उपरोक्त वाक्यों के रेखांकित अंश सामान्य क्रियाएँ हैं।

(ii) संयुक्त क्रिया

जिन वाक्यों में एक से अधिक क्रिया मिलकर एक ही कार्य को पूरा करती हैं, उन्हें संयुक्त क्रिया कहते हैं।

उदाहरण

- राम ने पुस्तक पढ़ ली।
- गायक घण्टों तक गाता रहा।

उपरोक्त वाक्यों के रेखांकित अंश संयुक्त क्रियाएँ हैं।

(iii) नाम धातु क्रिया

जो क्रियाएँ संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा अनुकरणात्मक शब्दों से बनती हैं, उन्हें नाम धातु क्रिया कहते हैं।

उदाहरण

- दोनों औरतें देर तक बतियाती रहीं।
- चोर झुठलाने का प्रयास करता रहा।

उपरोक्त वाक्यों के रेखांकित अंश नाम धातु क्रियाएँ हैं।

(iv) प्रेरणार्थक क्रिया

जब कर्ता स्वयं कार्य न करके दूसरों को करने की प्रेरणा देता है या दूसरों से उस कार्य को करवाता है, तो इसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण

- मोहन नौकर से खाना बनवाता है।
- रमा नौकरानी से कपड़े धुलवाती है।

उपरोक्त वाक्यों के रेखांकित अंश प्रेरणार्थक क्रियाएँ हैं।

(v) पूर्वकालिक क्रिया

जब मुख्य क्रिया से ठीक पहले कोई क्रिया की जाती है, तो उसे पूर्वकालिक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण

- लड़का पढ़कर लिखने लगा।
- मजदूर खाना खाकर सो गया।

उपरोक्त रेखांकित अंश पूर्वकालिक क्रियाएँ हैं।

4. विशेषण

जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट होती है, वह विशेषण कहलाता है; जैसे—यह सुन्दर घर है।

इस वाक्य में 'सुन्दर' विशेषण है, क्योंकि यह 'घर' की विशेषता बता रहा है।

विशेष्य

विशेषण जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं; जैसे—मोहन एक 'ईमानदार' लड़का है। इस वाक्य में 'ईमानदार' शब्द 'मोहन' की विशेषता बता रहा है। अतः यहाँ 'ईमानदार' विशेषण तथा 'मोहन' शब्द विशेष्य है।

प्रविशेषण

विशेषण की भी विशेषता बताने वाले शब्द प्रविशेषण कहलाते हैं; जैसे—राजू बहुत अच्छा लड़का है।

उपरोक्त वाक्य में 'अच्छा' विशेषण है और 'बहुत' प्रविशेषण है।

विशेषण के प्रकार

विशेषण चार प्रकार के होते हैं

(i) गुणवाचक विशेषण

जिन शब्दों से किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दिशा, दोष, रंग, काल, दशा, आकार, स्थान आदि का पता चलता है, वे गुणवाचक विशेषण होते हैं;

जैसे— अच्छा, सुन्दर, कुरूप, नीच, सफेद, नीला, नया, पुराना, स्वस्थ, रोगी, बाहरी, भीतरी आदि।

(ii) संख्यावाचक विशेषण

जिस विशेषण से संख्या का बोध होता है, वे संख्यावाचक विशेषण होते हैं; जैसे—तीसरा, पाँचवाँ, दोगुना, प्रत्येक, बहुत आदि।

(iii) परिमाणवाचक विशेषण

जिस विशेषण से नाप-तौल आदि का पता चलता है, वे परिमाणवाचक विशेषण होते हैं; जैसे— पाँच किलो, ढाई मीटर, जरा-सा, बहुत-सा, कुछ आदि।

(iv) संकेतवाचक विशेषण

जो विशेषण संज्ञा की ओर संकेत करें, वे संकेतवाचक विशेषण होते हैं; जैसे— यह घर, वह आदमी, यह बाग, वह लड़की आदि।

विशेषण शब्दों की रचना

विशेषण शब्दों की रचना संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और अव्यय शब्दों में प्रत्यय लगाकर की जाती है।

संज्ञा से विशेषण बनाना

कुछ संज्ञा शब्दों से बने विशेषण निम्नलिखित हैं

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
नगर	नागरिक	उत्साह	उत्साही
आलस	आलसी	यश	यशस्वी
ऋण	ऋणी	कल्पना	काल्पनिक
इतिहास	ऐतिहासिक	भूगोल	भौगोलिक
विज्ञान	वैज्ञानिक	दिन	दैनिक
भूमि	भौमिक	पुष्प	पुष्पित
परिवार	पारिवारिक	समाज	सामाजिक
प्रान्त	प्रान्तीय	शहर	शहरी

सर्वनाम से विशेषण बनाना

कुछ सर्वनामों से बने विशेषण निम्नलिखित हैं

सर्वनाम	विशेषण	सर्वनाम	विशेषण
यह	ऐसा	जो	जैसा
कौन	कैसा	तुम	तुम-सा
वह	वैसा	मैं	मुझ-सा

क्रिया से विशेषण बनाना

कुछ क्रिया शब्दों से बने विशेषण निम्नलिखित हैं

क्रिया	विशेषण	क्रिया	विशेषण
भागना	भगोड़ा	भूलना	भुलक्कड़
बेचना	बिकाऊ	मरना	मरणशील
लड़ना	लड़ाकू	मिलना	मिलनसार
पूजना	पूजनीय	देखना	दिखावटी
पीना	पियक्कड़	पढ़ना	पढ़ाकू

अव्यय से विशेषण बनाना

कुछ अव्यय शब्दों से बने विशेषण निम्नलिखित हैं

अव्यय	विशेषण	अव्यय	विशेषण
ऊपर	ऊपरी	नीचे	निचला
आगे	अगला	पीछे	पिछला
बाहर	बाहरी	भीतर	भीतरी

5. अव्यय

जिन शब्दों पर लिंग, वचन और काल का कोई प्रभाव नहीं पड़ता, अव्यय या अविकारी शब्द कहलाते हैं; जैसे—

- रानी घर के अन्दर है।
- राजा घर के अन्दर था।
- वे घर के अन्दर हैं।
- लड़के घर के अन्दर हैं।

यहाँ रेखांकित अंश अव्यय हैं, क्योंकि उन पर लिंग, वचन व काल का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

अव्यय के मुख्यतः चार भेद होते हैं

(i) क्रिया-विशेषण

जो अव्यय क्रिया की विशेषता प्रकट करे, उसे क्रिया-विशेषण कहते हैं।

क्रिया-विशेषण के चार भेद होते हैं

- (a) **कालवाचक** इससे क्रिया (काम) होने के समय का बोध होता है; जैसे—कल, परसो, जब, कभी, फिर, बाद, आदि।

- (b) **स्थानवाचक/दिशावाचक** इससे क्रिया होने के स्थान/दिशा का बोध होता है; जैसे—यहाँ, वहाँ, कहाँ, जहाँ आदि।
- (c) **रीतिवाचक** इससे क्रिया होने की रीति ढंग का बोध होता है; जैसे—धीरे-धीरे, ज्यों-त्यों, जैसे-तैसे, कैसे, ऐसे आदि।
- (d) **परिमाणवाचक** इससे क्रिया की मात्रा (आधिक्य, न्यूनता या पर्याप्तता) का बोध होता है; जैसे—कुछ अधिक, बहुत खूब, कम, जरा, इतना, उतना, कितना आदि।

(ii) सम्बन्धबोधक अव्यय

अव्यय शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का सम्बन्ध वाक्य के अन्य शब्दों से जोड़ते हैं, उन्हें सम्बन्धबोधक अव्यय कहते हैं।

उदाहरण

- नदी की ओर जंगल है।
- विद्यालय के सामने कूड़ा मत फैलाना।

उपरोक्त वाक्यों में रेखांकित अंश सम्बन्ध जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। अतः ये सम्बन्धबोधक हैं।

सम्बन्धबोधक शब्दों से पहले 'के', 'से' जैसे परसर्ग अवश्य लगे होते हैं।

काल, दिशा, स्थान, कारण उद्देश्य आदि के आधार पर इनके निम्नलिखित भेद हैं

- **कालवाचक** के पश्चात्, के बाद, के पहले
- **दिशावाचक** की ओर, की तरफ
- **स्थानवाचक** के ऊपर, के नीचे, की बगल
- **कारणवाचक** के कारण, की वजह से
- **उद्देश्यवाचक** के लिए, के हेतु, के वास्ते
- **साधनवाचक** के सहारे, की मदद से
- **तुलनावाचक** की अपेक्षा, से अच्छा, से बढ़िया
- **संगवाचक** के साथ, के संग
- **विषयवाचक** के बारे में, के विषय में
- **समतावाचक** की भाँति, के तुल्य, के योग्य

(iii) समुच्चयबोधक अव्यय

जो अव्यय शब्दों, वाक्यांशों अथवा वाक्यों को जोड़ने का कार्य करते हैं, उसे समुच्चयबोधक अव्यय कहते हैं; जैसे—तथा, एवं, अथवा, किन्तु, परन्तु आदि।

समुच्चयबोधक अव्यय के दो भेद होते हैं

- (a) **समानाधिकरण** इसके द्वारा मुख्य वाक्य या एक ही प्रकार के शब्द जोड़े जाते हैं। इसके चार भेद होते हैं
 - संयोजक और, एवं, तथा

- विभाजक या, अथवा, नहीं तो, चाहे-चाहे क्या-क्या, न-न, न और, न।
- विरोधदर्शक पर, परन्तु, किन्तु, लेकिन, न केवल बल्कि, वरन्
- **परिणाम** (निमित्त) दर्शक इसलिए, अतः, अतएव।
- (b) **व्यधिकरण** इसके द्वारा मुख्य वाक्य के साथ आश्रित वाक्य जोड़े जाते हैं।
इसके चार भेद होते हैं
 - **कारणवाचक** क्योंकि, चूँकि, इसलिए कि
 - **उद्देश्यवाचक** कि, ताकि, जिससे कि
 - **संकेतवाचक** यदि/अगर तो, यद्यपि तथापि, चाहे पर, हालाँकि तो भी।
 - **स्वरूपवाचक** कि, अर्थात्, मानो

(iv) विस्मयादिबोधक अव्यय

ऐसे अव्ययों से हर्ष, शोक, आश्चर्य, आदि। मनोभावों का बोध होता है, इसलिए इन्हें भावबोधक अव्यय भी कहा जाता है।

ये अव्यय निम्न प्रकार के होते हैं

- **हर्षबोधक** वाह! वाह! शाबाश! आहा! जय!
- **शोकबोधक** आह! ओह! अह! हाय! ऊह! काश!
- **आश्चर्यबोधक** ए! ऐं! ओहो! क्या! वाह!
- **तिरस्कारबोधक** हट! दुर! अरे! छिह! वाह!
- **सम्बोधन बोधक** रे! री! अरे! अरी, अजी, भई
- **अनुमोदन बोधक** हाँ! हो! ठीक! अच्छा!

व्याकरणिक कोटि

पद के भेदों के अतिरिक्त आइए महत्वपूर्ण व्याकरणिक कोटि के अंगों का अध्ययन करते हैं।

1. लिंग

संज्ञा के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु की नर अथवा मादा जाति का पता चले, उसे लिंग कहते हैं। हिन्दी भाषा में लिंग के दो रूप हैं

1. **पुल्लिंग** वे सभी शब्द, जिनसे पुरुष जाति का बोध होता है, पुल्लिंग कहलाते हैं; जैसे—शेर, बन्दर इत्यादि।
2. **स्त्रीलिंग** वे सभी शब्द, जिनसे स्त्री जाति का बोध होता है, स्त्रीलिंग कहलाते हैं; जैसे—शेरनी, बन्दरिया इत्यादि।

2. वचन

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं; जैसे—घड़ी और घड़ियाँ, यहाँ घड़ी में एक संख्या का तथा 'घड़ियाँ' में एक से अधिक संख्या का बोध होता है।

वचन के प्रकार

हिन्दी भाषा में दो वचन होते हैं— एकवचन एवं बहुवचन।

एकवचन से एक का बोध होता है; जैसे—लड़की, तोता आदि।

बहुवचन से 'एक से अधिक' का बोध होता है; जैसे—लड़कियाँ, तोते आदि।

3. कारक

संज्ञा व सर्वनाम के जिस रूप से उसकी क्रिया अथवा दूसरे शब्द के साथ सम्बन्ध स्थापित होता है, उसे कारक कहते हैं। कारक आठ प्रकार के होते हैं— कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण, सम्बोधन।

हिन्दी कारकों की विभक्ति का प्रयोग निम्न प्रकार होता है

कारक का नाम	कारक की विभक्ति चिह्न
कर्ता	ने
कर्म	को
करण	से
सम्प्रदान	को, के लिए
अपादान	से (पृथक्ता का भाव)
सम्बन्ध	का, की, के
अधिकरण	में, पर
सम्बोधन	हे! अरे! अजी! उफ!

कारक विभक्ति के प्रयोग के प्रमुख उदाहरण

कर्ता

राम ने खाना खाया।

मैंने उसे पढ़ाया।

करण

गीता कलम से लिखती है।

प्रीति चाकू से फल काट रही है।

अपादान

वृक्ष से पत्ता गिरा।

कर्म

पिता ने पुत्र को डाँटा।

कृतिका ने काजल को पीटा।

सम्प्रदान

सीता ने राम को मिठाइयाँ दीं।

श्याम के लिए एक पुस्तक दो।

सम्बन्ध

यह राम की पुस्तक है।

छत्त से पतंग उड़ाई।

अधिकरण कारक

वृक्ष पर कौआ बैठा है।

तालाब में अनेक मछलियाँ हैं। अरे! तुमने यह क्या किया?

गोदान प्रेमचन्द का उपन्यास है।

सम्बोधन कारक

हे प्रभु! हम सदाचारी बनें।

4. काल

क्रिया के कार्य-व्यापार का समय क्रिया के जिस रूपान्तर से होता है, उसे 'काल' कहते हैं।

काल के तीन भेद हैं

(i) वर्तमान काल

'वर्तमान काल' से क्रिया की निरन्तरता का पता चलता है।

वर्तमान काल के पाँच भेद हैं

- सामान्य वर्तमान काल
- तात्कालिक वर्तमान काल
- पूर्ण वर्तमान काल
- संदिग्ध वर्तमान काल तथा
- सम्भाव्य वर्तमान काल।

(ii) भूतकाल

क्रिया के जिस रूप से कार्य की समाप्ति का बोध हो, उसे 'भूतकाल' कहते हैं। भूतकाल के छह भेद हैं

- सामान्य भूतकाल
- आसन्न भूतकाल
- पूर्ण भूतकाल
- अपूर्ण भूतकाल
- संदिग्ध भूतकाल
- हेतुहेतुमद् भूतकाल।

(iii) भविष्यत् काल

भविष्य में होने वाली क्रिया-व्यापार को 'भविष्यत् काल' कहते हैं। 'भविष्यत् काल' के तीन भेद होते हैं

- सामान्य
- सम्भाव्य तथा
- हेतुहेतुमद् भविष्य।

उदाहरण • वर्तमान काल वह खा रहा है।

• भूतकाल वह खा रहा था।

• भविष्यत् काल वह खाएगा।

अभ्यास प्रश्न

1. जब कोई सार्थक शब्द, वाक्य में प्रयोग किया जाता है, तो उसे क्या कहते हैं?
 (a) वाक्य (b) वाक्यांश
 (c) पद (d) पदांश
 2. पद के कितने भेद होते हैं?
 (a) पाँच (b) छः
 (c) सात (d) आठ
 3. 'राम वन गए' वाक्य में संज्ञा शब्द है/हैं
 (a) राम (b) वन
 (c) राम, वन (d) गए
 4. निम्नलिखित में जातिवाचक संज्ञा है
 (a) राम (b) गंगा
 (c) भलाई (d) पेड़
 5. निम्नलिखित में भाववाचक संज्ञा है
 (a) गंगा (b) लड़का
 (c) मिठास (d) सेवक
 6. 'तुम्हें उसकी बात माननी होगी' वाक्य में रेखांकित शब्द कौन-से सर्वनाम का भेद है?
 (a) निजवाचक सर्वनाम
 (b) पुरुषवाचक सर्वनाम
 (c) निश्चयवाचक सर्वनाम
 (d) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
 7. 'राधा नाचती है' वाक्य में क्रिया का कौन-सा प्रकार है?
 (a) सकर्मक क्रिया (b) अकर्मक क्रिया
 (c) संयुक्त क्रिया (d) प्रेरणार्थक क्रिया
 8. निम्न में कौन-सा वाक्य प्रेरणार्थक क्रिया का उदाहरण है?
 (a) दोनों भाई देर तक बतियाते रहे।
 (b) श्यामू ने खाना खा लिया।
 (c) शमा मुझसे रोज खाना बनवाती है।
 (d) यह पत्र लिखकर सो जाओ।
 9. 'यश' संज्ञा शब्द से बना विशेषण है
 (a) यशसा (b) यशस्वी
 (c) यशत्व (d) यशी
 10. 'भूगोल' शब्द से बना विशेषण है
 (a) भौगोलिक (b) भूगोलीय
 (c) भूगोलिक (d) भूगोली
 11. अव्यय होते हैं
 (a) जिन पर लिंग, वचन और कारक का प्रभाव पड़ता है
 (b) जिन पर केवल लिंग और वचन का प्रभाव पड़ता है
 (c) जिन पर लिंग, वचन और कारक का कोई प्रभाव नहीं पड़ता
 (d) जिन पर केवल कारक का प्रभाव पड़ता है
 12. अव्यय के मुख्यतः कितने भेद होते हैं?
 (a) दो (b) तीन
 (c) चार (d) छः
 13. 'मैं कल वहाँ गया' में क्रिया-विशेषण है
 (a) मैं (b) वहाँ
 (c) कल (d) गया
 14. 'मैंने विधि के साथ खाना खाया' वाक्य में रेखांकित अंश है
 (a) समुच्चयबोधक अव्यय
 (b) सम्बन्धबोधक अव्यय
 (c) क्रिया-विशेषण
 (d) विस्मयादिबोधक अव्यय
 15. सर्वनाम के कितने भेद होते हैं?
 (a) एक
 (b) दो
 (c) छः
 (d) सात
 16. निम्न में विस्मयादिबोधक अव्यय है
 (a) के योग्य (b) की ओर
 (c) कभी (d) शाबाश!
- निर्देश** (प्र. सं. 17-19) में दिए गए शब्दों के उचित स्त्रीलिंग का चयन कीजिए
17. माली
 (a) मालिनी (b) मालिन
 (c) मालि (d) मलिनी
 18. बाध
 (a) सिंहनी (b) शेरनी
 (c) बाधिन (d) बाधिनी
 19. सम्राट
 (a) साम्राज्ञी (b) सम्राटिनी
 (c) रानी (d) महारानी

निर्देश (प्र. सं. 20-22) में दिए गए शब्दों के लिए उचित बहुवचन का चयन कीजिए।

20. चिड़िया

- (a) चिड़ियाँ (b) चिड़िएँ
(c) चिड़ी (d) चिड़ियाँ

21. गुरु

- (a) गुरुएँ (b) गुरुजन
(c) गुरुवर्ग (d) गुरुदत्त

22. विद्यार्थी

- (a) विद्यार्थीगण (b) विद्यार्थीजन
(c) विद्यार्थीवर्ग (d) विद्यार्थीदल

निर्देश (प्र. सं. 23-28) में दिए गए पदों के बीच लगने वाले उचित कारक-चिह्न का चयन कीजिए।

23. राजपुत्र

- (a) के लिए (b) के
(c) को (d) का

24. कर्जमुक्त

- (a) का (b) के लिए
(c) से (d) में

25. शोकमग्न

- (a) में (b) का
(c) से (d) पर

26. मदांध

- (a) से (b) में
(c) पर (d) का

27. घुड़सवार

- (a) में (b) पर
(c) के लिए (d) की

28. तुलसीकृत

- (a) में (b) के द्वारा
(c) पर (d) को

29. 'उसने खाना खाया' में काल है

- (a) भूतकाल (b) वर्तमान काल
(c) भविष्यत्काल (d) इनमें से कोई नहीं

30. 'राहुल बस से जाएगा' में कौन-सा काल है?

- (a) वर्तमान काल
(b) भूतकाल
(c) भविष्यत्काल
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

31. 'कविता सो रही है' में कौन-सा काल है?

- (a) वर्तमान काल (b) भूतकाल
(c) भविष्यत्काल (d) इनमें से कोई नहीं

32. वर्तमान काल के कितने भेद होते हैं?

- (a) तीन (b) दो
(c) पाँच (d) छः

33. भूतकाल के कितने भेद होते हैं?

- (a) तीन (b) छः
(c) चार (d) पाँच

34. भविष्यत् काल के कितने भेद होते हैं?

- (a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच

उत्तरमाला

[illegible]